‘किसान साथी’ पोर्टल

चर्चा में क्यों?

कृषि क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी (IT) के उपयोग के साथ, **'किसान साथी' पोर्टल ने राजस्थान में किसानों के लिये एकल खिड़की मंच के रूप में** कार्य करना शुरू कर दिया है।

मुख्य बिंदु:

- **IT अनुप्रयोगों ने कृषकों के लिये विभिन्न सरकारी योजनाओं आवेदन करने और उन्हें उपलब्ध** लाभों की निगरानी करने की प्रक्रिया को सरल बना दिया है।
- राज्य कृषि आयुक्त के अनुसार, **अब तक 12 लाख से अधिक किसानों ने वेब पोर्टल का उपयोग किया है और कृषि,** बागवानी, पशुपालन **एवं कृषि विपणन योजनाओं से लाभान्वित हुए हैं।**
  - कागज़ रहित कार्य से **प्रक्रिया में तेज़ी आई और प्रणाली में पारदर्शिता आई।**
- किसान साथी पोर्टल ने लगभग **तीन लाख किसानों को ₹1,600 करोड़** के प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण की सुविधा प्रदान की है, जबकि ऑनलाइन सत्यापन की मदद से बड़ी संख्या में बीज, उर्वरक और कीटनाशक बेचने के लाइसेंस जारी किये गए हैं।
- **"कृषि करने में आसानी" की पहल के रूप में वर्ष 2021** में लॉन्च किया गया पोर्टल कृषक समुदाय के लिये क्रांतिकारी बदलाव लेकर आया है।
- किसानों के लिये विकसित किये गए मोबाइल ऐप्स ने उन्हें कृषि उपज के खरीदारों से जोड़ने हेतु नए प्लेटफॉर्म भी तैयार किये हैं।
  - **यह ऐप कृषि उपज के विक्रेताओं** के पंजीकरण, बीज मिनी-किट के वितरण, जैव-खेती के लिये पंजीकरण और बीज एवं उर्वरक नमूनों को ऑनलाइन जमा करने के लिये सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/kisan-sathi-portal